मेरे राम श्रीराम कुटिया में कब पधारेंगे

मेरे राम श्रीराम कुटिया में कब पधारेंगे ।
बूढी भिलनी केा प्रभु कब उधारेंगे । मेरे..

नाना पुष्पों से रस्ता सजाऊँगी में,
राम ही राम बस गुनगुनाउंगी में ।
उनका श्रृंगार कर हम सवाँरेंगे,
मेरे राम श्रीराम कुटिया में कब पधारेंगे ।

पैर धोकर के मैं चरणामृत पाऊँगी,
दोनों कर जोड़कर उनको सर नाउंगी ।
काला तिल देके नज़रें उतारेंगे,
मेरे राम श्रीराम कुटिया में कब पधारेंगे ।

रोरी चन्दन लगा उनका वंदन करूँ,
पुष्पहारों से मैं अभिनंदन करूँ ।
दोनों आँखों मैं उनको बैठारेंगे,
मेरे राम श्रीराम कुटिया में कब पधारेंगे ।

भोग बेरों के उनको लगाउंगी मैं,
प्रेम रस से भरे ये बताउंगी मैं ।
कोटि जन्मों को "राजेन्द्र" सवाँरेंगे,
मेरे राम श्रीराम कुटिया मैं कब पधारेंगे ।

धुन :- अल्ला ये अदा कैसी है इन...
"राजेंद्र प्रसाद सोनी"
पनागर (जबलपुर)

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1484/title/shri-ram-mere-kutiya-men-kab-padhayenge

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |